कृषि वानिकी विषय पर संस्थान स्तरीय सेमीनार (दिनांक 16/3/2018)

दिनांक 16/3/2018 को संस्थान स्तरीय सेमीनार, कृषि वानिकी विषय पर आयोजित की गई, जिसमें वन विभाग राजस्थान से श्री राजू सिंह शेखावत भावॉ.से. अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संस्थापक, श्री रमेश चौपड़ा, उप वन संस्थापक, मरू वन प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर, कृषि विभाग जोधपुर से डॉ. सरेश एन.वी., सहायक प्रोफेसर (कृषि वानिकी) ए.आर.एस. (ए.यु.जे.), केशवान, जालोर, कृषि विभाग केन्द्र, काजरी (CAZRI) जोधपुर से डॉ. हरदयाल, विषय विशेषज्ञ (बागवानी), कृषक श्री मोहन राम सारण एवं श्री किशनाराम, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. रंजना आर्मी, संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीशियन एवं शोध कर्मचारी ने भाग लिया।

से्मीनार के प्रारंभ में श्री उमाराम चौधरी भावॉ.से., प्रभागाध्यक्ष कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने कृषि वानिकी एक पारंपरिक कृषि पद्धति पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण कर खेती के साथ-साथ फेड पनपाने की पारंपरिक पद्धति के बारे में बताया तथा जल जैसे घटने संसाधनों के मददसंपन कृषि वानिकी की भूमिका की चर्चा की तथा वृक्षों के समावेश अथवा कृषि आय वृद्धि से संबंधित समस्त पहलुओं का जिक्र किया। श्री चौधरी ने राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति की भी चर्चा की।

तत्पश्चात सेमीनार में उपस्थित विशिष्ट विभिन्न क्षेत्र के विषयविशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। श्री शेखावत ने केर, सांगरी, कुमट जैसे उत्पाद के लिए इनके संग्रहण इत्यादि के साथ विपणन (Marketing) इत्यादि पर चर्चा की। डॉ. रंजना आर्मी ने घास तथा इसके दवारा नमो बनाए रखे जाने से वृक्षों की वृद्धि में सहायक होने का जिक्र कर बेर, गूँदा और खेजड़ी जैसे पेड़ों का घास के साथ संयोजन (Combination) से बंजर भूमि का पुनर्वासन और चारागाह विकास की चर्चा की। डॉ. जी. सिंह ने मोरिंगा के बजार (Market) इत्यादि की चर्चा की। डॉ. यू. के. तोमर ने विपणन माध्यमों (Market Channel), लाभ साझेदारी (profit sharing) की चर्चा की।

इस तरह से संस्थान स्तर पर आयोजित कृषि वानिकी पर सेमीनार में विभिन्न वक्ताओ/ विषय-विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।